न्यूज डायरी

भारतीय स्टूडेंट के हत्यारे ने किया आत्मसमर्पण, वजह का पता लगा रही पुलिस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। सैन बर्नार्डिनो में भारतीय छात्र अभिषेक सुदेश भट की हत्या के आरोपी अमेरिकी नागरिक ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सैन बर्नार्डिनो पुलिस विभाग ने रविवार को बताया कि 42 वर्षीय एरिक टर्नर ने शनिवार को आत्मसमर्पण कर दिया। उसे एक मोटल के बाहर 25 वर्षीय सुदेश की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जहां सुदेश पार्ट–टाइम काम करता था। कर्नाटक के मैसूरु के रहने वाले अभिषेक सैन बर्नार्डिनो में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस में एमएस कर रहे थे। टर्नर ने गुरुवार दोपहर मोटल के बाहर अभिषेक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया था। सैन बर्नार्डिनो पुलिस विभाग ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। अभी यह नहीं पता चला है कि टर्नर ने सुदेश की हत्या क्यों की।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट में पहली बार नियुक्त की जाएंगी महिला जज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में पहली बार महिला जजों को नियुक्त किया जाएगा। चीफ जस्टिस असिफ सईद खोसा ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि न्याय का कोई लिंग नहीं होता, लिहाजा सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों को नियुक्त किया जाएगा। द न्यूज इंटरनैशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेपी खोसा ने कहा, श्मैंने एक महिला जज का नाम सुना, जिन्हें श्रीमति आयशा मलिक के रूप में पहचाना जाता है। मुझे लगा कि क्या न्याय की भी पत्नियां होती हैं। नहीं, वह एक सम्माननीय न्यायाधीश हैं और अकेले ही काफी हैं। चीफ जस्टिस ने कहा कि समय के साथ पुरुष और महिला के बीच के फासले खत्म हो जाएंगे। शीर्ष कोर्ट महिलाओं को न्यायालय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है।

सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे वाले शहर पर हवाई हमला, 10 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बेरूत। सीरिया के उत्तर पश्चिमी हिस्से में बागियों के कब्जे वाले एक शहर के बाजार पर हुए हवाई हमले में कम से कम 10 आम लोगों की मौत हो गई है। ब्रिटेन आधारित 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने बताया कि मारत अल–नोमान के बाजार पर हुए हवाई हमले में 10 लोगों की मौत हुई है और कई अन्य जख्मी हैं। अलेप्पो मीडिया सेंटर ने भी 10 लोगों के मरने और दर्जनों के घायल होने की बात कही है। मारत अल–नोमान इदलिब प्रांत में है जो बागियों का आखिरी गढ़ है। सीरियाई फौज ने इस साल के शुरू में इदलिब के खिलाफ चार महीने का अभियान चलाया था। इदलिब में अल–कायदा से संबंधित आतंकवादियों का प्रभुत्व है।

अफगान अधिकारीः काबुल में दो खुफिया अधिकारियों की हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के एक अधिकारी ने कहा कि एक बंदूकधारी ने राजधानी काबुल में एक वाहन पर गोलियां बरसाईं जिसमें दो खुफिया अधिकारियों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। अफगान गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने कहा कि पुलिस सोमवार तड़के इस हमले को अंजाम देने वाले बंदूकधारी की तलाश कर रही है। रहीमी ने कहा कि पुलिस ने काबुल के पूर्वी जिला 9 इलाके को सील कर दिया है और हमलवार की तलाश जारी है। किसी भी समूह ने इस हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन तालिबान और इस्लामिक स्टेट से संबद्ध संगठन राजधानी में हमलों को अंजाम देते रहते हैं।

बाजवा के सेवा विस्तार का 7 पाक जनरलों ने किया विरोध

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के समर्थन में उतरे पाकिस्तान के 7 जनरल

समर्थन

■चीफ जस्टिस के समर्थन में उतरे एक जनरल दिल्ली स्थित पाक उच्चायोग में डिफेंश अताशे रह चुके हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। अपने आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा को तीन साल का सेवा विस्तार दिए जाने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से फजीहत करवा चुकी पाकिस्तान की इमरान खान सरकार को आर्मी के अंदर से भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान आर्मी के 7 जनरल आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा के सेवा विस्तार पर सुप्रीम कोर्ट के रोक का समर्थन किया है। पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा को तीन साल का सेवा विस्तार प्रस्ताव किया था जिस पर सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस आसिफ सईद खोसा ने रोक लगाते हुए फिलहाल महज 6 महीने तक के सेवा विस्तार की अनुमति दी

नियम के मुताबिकः
29 नवंबर को ही बाजवा को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो जाना चाहिए था। ऐसा होता तो उनकी जगह अभी सत्तार पाकिस्तान के आर्मी चीफ होते।

है। इन सातों जनरलों ने बाजवा का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने का विरोध किया है क्योंकि इससे आर्मी चीफ बनने के उनके सपने पर पानी फिर जाएगा। विरोध करने वाले इन सात जनरलों में एक दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में डिफेंस अताशे भी रह चुके हैं।

चीफ जस्टिस के साथ खड़े जनरलों की इस लिस्ट में मुल्तान के कॉर्प्स कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सरफराज सत्तार चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ की नियुक्ति के लिए वरीयता सूची में सबसे ऊपर हैं। उनके अलावा, लेफ्टिनेंट जनरल नदीम राजा, लेफ्टिनेंट जनरल हुमायूं अजीज, लेफ्टिनेंट जनरल नईम असरफ, लेफ्टिनेंट जनरल शेर अफगान और लेफ्टिनेंट जनरल काजी इकराम ने भी बाजवा के सेवा विस्तार के प्रस्ताव का विरोध किया है। चीफ ऑफ जनरल स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल बिलाल अकबर वरीयता क्रम में सातवें नंबर पर हैं।

इनमें सभी ने सार्वजनिक तौर पर बाजवा का विरोध नहीं किया है, लेकिन टॉप के कुछ जनरलों ने आर्मी चीफ बने रहने के लिए सिस्टम से छेड़छाड़ के बाजवा के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। कहा जा रहा है कि वो इमरान खान सरकार के संबंधित प्रस्ताव पर रोक लगाने के फैसले के साथ मजबूती से खड़े हो गए हैं। बाजवा के बाद सीनियरिटी लिस्ट में टॉप पर मौजूद लेफ्टिनेंट जनरल सत्तार ने नियम के उल्लंघन से नाराज होकर कथित तौर पर इस्तीफा दे दिया है। कहा जा रहा है कि उनकी कुछ हफ्ते पहले बाजवा के साथ बहस भी हो गई थी। उन्होंने बाजवा पर पाकिस्तान आर्मी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया था।

सत्तार मिलिटरी इंटेलिजेंस चीफ, इन्फेंट्री स्यालकोट कमांडिंग ऑफिसर और भारत में डिफेंस अताशे की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। सूत्रों का दावा है कि जनरल (रिटायर्ड) राहिल शरीफ ने आर्मी चीफ के पद से रिटायरमेंट के पहले उनकी जगह लेने वालों में सत्तार का भी विकल्प दिया था। शरीफ को लगता था कि सत्तार उनकी नीतियों को आगे बढ़ाएंगे।

वाइट हाउस ने महाभियोग मामले की सुनवाई में भाग लेने से किया इनकार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के वकील ने कहा कि वाइट हाउस बुधवार को होने वाली कांग्रेस की सुनवाई में भाग नहीं लेगा जिसमें राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग के कानूनी पहलुओं पर विचार किया जाएगा।

वाइट हाउस की वकील पैट सिपोलोन ने प्रतिनिधि सभा में न्यायिक समिति के डेमोक्रेटिक अध्यक्ष जेरी नैडलर को रविवार को एक पत्र लिखकर कहा, श्हमसे सुनवाई में भाग लेने की उम्मीद नहीं की जा सकती जबकि अभी तक गवाहों के नाम नहीं बताए गए हैं और अभी यह अस्पष्ट है कि क्या न्यायिक समिति अतिरिक्त सुनवाई के जरिए निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन करेगी। इसमें कहा गया है, मौजूदा परिस्थितियों के मुताबिक हमारा बुधवार को होने वाली सुनवाई में भाग लेने का इरादा नहीं है। गौरतलब है कि ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में संभावित प्रतिद्वंद्वी जो बिडेन समेत अपने घरेलू प्रतिद्वंद्वियों की छवि खराब करने के लिए यूक्रेन से गैरकानूनी रूप से मदद मांगी।

सदन की न्यायिक समिति बुधवार को इस पर सुनवाई शुरू करेगी कि क्या जांच में शामिल किए गए सबूत श्राजद्रोह, घूस या अन्य उच्च अपराधों और खराब आचरणश के आधार पर संवैधानिक रूप से महाभियोग चलाने के मानकों को पूरा करते हैं।

आर्कटिक में चीन बढ़ा रहा है सैन्य गतिविधियांः डेनमार्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोपहेगन। डेनमार्क की एक इंटेलिजेंस सर्विस ने शुक्रवार को कहा कि चीन की सेना आर्कटिक क्षेत्र में तेजी से साइंटिफिक रिसर्च कर रही है। इंटेलिजेंस एजेंसी ने इससे दुनिया के बर्फीले हिस्से में भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता बढ़ने की चेतावनी दी है। ग्लोबल वॉर्मिंग और खनिज तक पहुंच को लेकर आर्कटिक में विवाद मई में उस समय खुलकर सामने आ गया था जब अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने रूस पर आक्रामक रवैये का आरोप लगाया था और कहा था कि चीन के ऐक्शन पर भी ध्यान रखने की जरूरत है।

चीन में अब बिना फेस स्कैन किए फोन इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे नए यूजर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन ने टेलिकॉम ऑपरेटरों से कहा है कि वह फोन इस्तेमाल करने वाले नए यूजरों का रजिस्ट्रेशन करते वक्त उनका फेस स्कैन करे। सितंबर में चीन के उद्योग और सूचना तकनीक मंत्रालय ने साइबर सुरक्षा के तहत नोटिस जारी कर असली नाम से रजिस्ट्रेशन को जरूरी बनाया था। अब रविवार को नया नोटिफिकेशन जारी कर नए फोन यूजर्स का फेस स्कैन अनिवार्य किया गया है।

चीन के सोशल मीडिया पर फेस स्कैनिंग संबंधी सरकार के आदेश पर मिली–जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ

यूजर्स के रजिस्ट्रेशन के लिए फेस स्कैन को अनिवार्य किया

लोग यह चिंता जता रहे हैं कि बायॉमेट्रिक डीटेल को लीक किया जा सकता है या उन्हें बेचा जा सकता है। तमाम लोग आम लोगों पर सरकार की बढ़ती निगरानी पर चिंता जता रहे हैं। दूसरी तरफ कई लोग इस कदम का स्वागत कर रहे हैं।

सितंबर के नोटिस में टेलिकॉम ऑपरेटरों से कहा गया था कि वे नया फोन नंबर ऐक्टिव करने से पहले लोगों की पहचान को वेरिफाई करने के लिए आर्टिफिशल और दूसरे तकनीकी उपाय करें। ताजा आदेश उसी नोटिस की कड़ी में है। चाइना यूनिकॉम कस्टमर सर्विस के एक प्रतिनिधि ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि नए फोन यूजर्स को अब रजिस्ट्रेशन के वक्त फेस स्कैन कराना जरूरी होगा। उन्हें खुद के सिर को घुमाने और आंखों की पुतलियों के ऊपर–नीचे होने को रिकॉर्ड करना होगा। सितंबर के नोटिस में कहा गया था, अगले चरण के तौर पर हमारा मंत्रालय निगरानी और जांच को बढ़ाना जारी रखेगा...और फोन यूजर्स का असली नाम से रजिस्ट्रेशन का सख्ती से पालन कराएगा।

वैसे तो चीन सरकार ने नए फोन नंबरों को आईडी कार्ड से लिंक करके 2013 से ही असली नाम से रजिस्ट्रेशन की दिशा में कदम उठाए हैं लेकिन ताजा कदम आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के जरिए वेरिफिकेशन को जरूरी बनाने के लिए है।

पुतिन, शी ने 'ऐतिहासिक रूस–चीन गैस पाइपलाइन' की शुरूआत की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी नेता शी चिनफिंग ने दोनों देशों को जोड़ने वाली पहली गैस पाइपलाइन की शुरूआत की। पुतिन ने एक समारोह के दौरान कहा, ''यह ऐतिहासिक घटना न केवल वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए, बल्कि रूस तथा चीन के लिए, हमारे और आपके लिए महत्वपूर्ण है।'' टेलीविजन पर इस समारोह का सीधा प्रसारण किया गया।

शी ने रूसी टेलीविजन पर अनुवादित बयानों में कहा कि यह परियोजना ''हमारे देशों के बीच एक पारस्परिक लाभप्रद सहयोग का एक मॉडल के रूप में काम कर रही है।'' चीनी राष्ट्रपित ने कहा, ''चीन–रूस संबंधों का विकास हमारे दोनों देशों के लिए विदेश नीति की एक प्राथमिकता है और रहेगी। रूसी गैस कंपनी गजप्रोम के प्रमुख अलेक्सी मिलर ने कहा कि लगभग 10,000 लोगों ने इस विशाल पाइपलाइन के निर्माण के लिए काम किया था। उल्लेखनीय है कि 3000 किलोमीटर लंबी यह पाइपलाइन पूर्वी साइबेरिया के दूरदराज के इलाकों से सीमा पर ब्लागोवेशचेंस्क तक जाती और फिर चीन में जाती है।